



उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

हिन्दी-प्रवक्ता (माध्यमिक शिक्षा) (विषय कोड-04)

हिन्दी साहित्य का इतिहास: हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन। आदिकाल- नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ। भक्तिकाल- सामान्य विशेषताएँ, भक्तिकाल की धाराएँ- ज्ञानाश्रयी काव्यधारा, प्रेमाश्रयी (सूफी) काव्यधारा, कृष्णभक्ति काव्यधारा, रामभक्ति काव्यधारा- चारों काव्यधाराओं की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। रीतिकाल-नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ। आधुनिक काल- भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, गीत, नवगीत। विभिन्न कालों के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रमुख रचनाएँ। प्रसिद्ध काव्य-पंक्तियों एवं सूक्तियों के लेखकों, कवियों के नाम।

- गद्य-साहित्य का उद्भव और विकास: निबन्ध, उपन्यास, कहानी, नाटक, आलोचना। गद्य की अन्य नवीन विधाएँ-जीवनी-साहित्य, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्टाज, यात्रा-साहित्य, डायरी-साहित्य, व्यंग्य, इण्टरव्यू, बाल-साहित्य। युगप्रवर्तक लेखकों के नाम तथा उनकी प्रमुख रचनाएँ।
- पत्रकारिता : प्रमुख हिन्दी पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशन-स्थान, प्रकाशन वर्ष तथा उनके प्रमुख सम्पादकों के नाम।
- काव्यशास्त्र: भारतीय काव्यशास्त्र-काव्य-लक्षण, भेद। रस, छन्द, अलंकार, काव्यगुण, काव्यदोष, शब्दशक्तियाँ।
- भाषाविज्ञान : हिन्दी की उपभाषाएँ, विभाषाएँ, बोलियाँ, हिन्दी की ध्वनियाँ, हिन्दी शब्द-सम्पदा।
- हिन्दी-व्याकरण : सन्धि, समास, कारक, लिंग, वचन, काल, पर्यायवाची, विलोम शब्द, वर्तनी-सम्बन्धी अशुद्धिशोधन, वाक्य-सम्बन्धी अशुद्धिशोधन, वाक्यांश के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द, भिन्नार्थक शब्द, विरामचिह्न, मुहावरा और लोकोक्ति। संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण। उपसर्ग, प्रत्यय।
- संस्कृत-साहित्य के प्रमुख रचनाकारों के नाम एवं उनकी प्रमुख कृतियाँ: कालिदास, भवभूति, भारवि, माघ, भास, बाण, श्रीहर्ष, दण्डी, मम्मट, भरतमुनि, विश्वनाथ, राजशेखर तथा जयदेव।
- संस्कृत व्याकरण : सन्धि-स्वर सन्धि, व्यंजन सन्धि, विसर्ग सन्धि। समास, उपसर्ग, प्रत्यय। विभक्ति-चिह्न (परसर्ग) प्रयोग एवं पहचान। शब्दरूप- आत्मने, जगत्, सरित्, बालक, हरि, अस्मद्, युष्मद्। धातुरूप स्था, पा, गम्, पठ्, हस्, धातु केवल परस्मैपदी रूप में। काल। हिन्दी-वाक्यों के संस्कृत अनुवाद।